mardi 15 mai 2012

HIN2B-09C

(Initiation à la littérature hindi moderne)

Cours-13

1. Faites des phrases avec 8 des expressions suivantes pour que le sens soit clair :

1. मुटापे की क्षतिपूर्ति के लिए बाल छोटे कटवाती थी । pour compenser
2. मेरी भेंट कुछ ऐसे आकस्मिक ढंग से हुई थी
   de manière fortuite
3. उसके बारे में तरह-तरह की कहानियाँ प्रचलित थीं। des histoires répandues
4. कुर्सी ऊपर से नीचे तक मैले कपड़ों से लदी थी।
   entassé de vêtements
5. बच्चे आपस में खुसर-पुसर कर रहे थे। ।
   les enfants chuchotaient entre eux
6. मिस पाल की आँखें उमड़ आयीं ।
   elle a eu des larmes aux yeux
7. किसी ने मेरे भारी मन पर एक और बड़ा पत्थर डाल दिया हो।
   comme si on avait mis une charge lourde
8. घड़ा धड़ाम से पानी में गिरा । avec grand fracas
9. गंगी की छाती धक-धक करने लगी । palpiter
10. गंगी दबे पाँव कुएँ के जगत पर चढ़ी।
    doucement, sans faire de bruit
11. माफ़ी या रियायत की रत्ती-भर उम्मीद नहीं।
    pas le moindre espoir
12. जैसे सबकी छाती पर साँप लोटने लगता है
    choqué – comme si un serpent rampait sur la poitrine.

2. Traduisez les lignes suivantes :

दिल्ली में भी उसका जीवन काफी अकेला था, क्योंकि दफ्तर के ज्यादातर लोगों से उसका मनमुटाव था और बाहर के लोगों से वह मिलती बहुत कम थी। दफ्तर का वातावरण उसके अपने अनुकूल नहीं लगता था। वह वहाँ एक-एक दिन जैसे गिनकर काटती थी। उसे हर एक से शिकायत थी कि वह घटिया किस्म का आदमी है जिसके साथ उसका बैठना नहीं हो सकता ।

"ये लोग इतने ओछे और बेईमान हैं" वह कहा करती, "इतनी छोटी और कमीनी बातें करते हैं कि मेरा इनके बीच काम करो हर वक्त दम घुटता रहता है। जाने क्यों ये लोग इतनी छोटी-छोटी बातों पर एक-दूसरे से लड़ते हैं और अपने छोटे-छोटे स्वार्थों के लिए एक-दूसरे को कुचलने की कोशिश करते रहते हैं।"

मगर उस वातावरण में उसके दुखी रहने का मुख्य कारण दूसरा था, जिसे वह मुँह से स्वीकार नहीं करती थी। लोग इस बात को जानते थे, इसलिए जान-बूझकर उसे छोड़ने के लिए कुछ-न-कुछ कहते रहते थे। बुखारिया तो रोज़ ही उसके रंग-रूप पर कोई न कोई टिप्पणी कर देता था।

"क्या बात है मिस पाल, आज रंग बहुत निखर रहा है !"

दूसरी तरफ वह जोरावरसिंह बात जोड़ देता, "आजकल मिस पाल पहले से स्लिम भी तो हो रही है।"

मिस पाल इन संकेतों से बुरी तरह से परेशान हो उठती और कई बार ऐसे मौके पर कमरे से उठकर चली जाती। उसकी पोशाक पर भी लोग तरह-तरह की टिप्पणियाँ करते रहते थे। वह शायद अपने मुटापे की क्षतिपूर्ति के लिए बाल छोटे कटवाती थी और बनावसिंगार से चिढ़ होने पर भी रोज काफी समय मेकअप पर खर्च करती थी। मगर दफ्तर में दाखिल होते ही उसे किसी न किसी मुंह से ऐसी बात सुनने को मिल जाती थी, "मिस पाल, नई कमीज की डिजाइन बहुत अच्छा है। आज तो गजब ढा रही हो तुम !"

3. Commentez le texte ci-dessus.
En connaissant la fin de l'histoire de Miss Pal comment relisez-vous ce paragraphe.
Que dénonce Miss Pal ? Elaborez.

4. Que montre la nouvelle ठाकुर का कुँआ de la société indienne

कुएँ का पानी सारा गाँव पीता है। किसी के लिए रोक नहीं; सिर्फ़ ये बदनसीब नहीं भर सकते। गंगी का विद्रोही दिल रिवाजी पाबन्दियों और मजबूरियों पर चोटें करने लगा - हम क्यों नीच हैं और ये लोग क्यों ऊँचे हैं ? इसलिए कि ये लोग गले में तागा डाल लेते हैं? यहाँ तो जितने हैं; एक-से-एक छँटे हैं ।

चोरी ये करें, जाल-फ़रेब ये करें, झूठे मुक़दमे ये करें । अभी इस ठाकुर ने तो उस दिन बेचारे गड़रिये की भेड़ चुरा ली थी और बाद को मारकर खा गया । इन्हीं पंडित के घर में तो बारहों मास जुआ होता है । यही साहू जी तो घी में तेल मिलाकर बेचते हैं । काम करा लेते हैं, मजूरी देते नानी मरती है। किस-किस बात में हैं हमसे ऊँचे ? हाँ - मुँह से हमसे ऊँचे है, हम गली-गली चिल्लाते नहीं कि हम ऊँचे । कभी गाँव में आ जाती हूँ, तो रस-भरी आँख से देखने लगते हैं । जैसे सबकी छाती पर साँप लोटने लगता है, परन्तु घमंड यह कि हम ऊँचे हैं !

5. Quelles différences vous voyez dans le traitement des problèmes de la société dans lesdeux nouvelles étant donné que Miss Pal fait partie de la नई कहानी ?